‘गेटवे ऑफ हेल’: तुर्कमेनिस्तान

हाल ही में ‘तुर्कमेनिस्तान’ ने विशाल प्राकृतिक गैस भंडारण- ‘दरवाज़ा गैस क्रेटर’ (जहाँ मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन सल्फाइड और हीलियम का मिश्रण मौजूद) में अक्सर लगने वाली आग को बुझाने का तरीका खोजने का फैसला किया है। ‘दरवाज़ा गैस क्रेटर’ को 'गेटवे टू हेल' के रूप में भी जाना जाता है।

- तुर्कमेनिस्तान को मीथेन रिसाव का केंद्र माना जाता है। वर्ष 2019 में तटवर्ती तेल और गैस परिचालन में 50 सबसे गंभीर मीथेन गैस रिसावों में से 31 तुर्कमेनिस्तान में हुए थे।
- यह ‘एरिज़ोना’ में मौजूद सभी कारों के वार्षिक उत्सर्जन के बराबर जलवायु प्रभाव डालता है।

मीथेन रिसाव की गंभीरता

- पृथ्वी की सतह पर मौजूद ओज़ोन, जो कि एक खतरनाक वायु प्रदूषक और ग्रीनहाउस गैस है, के निर्माण में मीथेन का प्राथमिक योगदान होता है, जिसके संपर्क में आने से प्रतिवर्ष 1 मिलियन लोगों की मौत हो जाती है।
- मीथेन (Methane) भी एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है। 20 साल की अवधि में यह कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वायुमंडल को 80 गुना अधिक गर्म करती है।

//

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात से 260 किलोमीटर दूर काराकुम रेगिस्तान में स्थित यह क्रेटर पिछले 50 सालों से जल रहा है।
  - क्रेटर देश में एक महत्त्वपूर्ण पर्यटक आकर्षण बन गया है। 2018 में देश के राष्ट्रपति ने आधिकारिक तौर पर इसका नाम बदलकर "काराकुम की चमक" (“**Shining of Karakum**”) कर दिया।
- **क्रेटर की उत्पत्ति:**
  - सोवियत भूवैज्ञानिक काराकुम रेगिस्तान में तेल के लिए ड्रिलिंग कर रहे थे, जब उन्होंने गलती से प्राकृतिक गैस के एक पॉकेट से पृथ्वी ढह गई और तीन विशाल सिंकहोल बन गए।
    - **सिंकहोल** जमीन में एक अवसाद है जिसमें कोई प्राकृतिक बाहरी सतह जल निकासी नहीं है, ये ऐसे क्षेत्र हैं जो भूजल

द्वारा **अंतर्निहित चूना पत्थर के आधार को भंग** कर देते हैं।
        - उत्पत्ति का विवरण वास्तव में ज्ञात नहीं है, लेकिन यह कहा गया है कि क्रेटर 1971 में सोवियत ड्रिलिंग ऑपरेशन के दौरान बनाया गया था।
    - स्थानीय लोगों ने यह भी कहा है कि क्रेटर वर्ष 1960 के दशक में बनाया गया था, लेकिन 1980 के दशक तक इसमें आग नहीं लगाई गई थी।
    - यह भी कहा जाता है कि सोवियत शासन के दौरान तेल और गैस बहुत महँगी वस्तुएँ थीं, इसलिये क्रेटर बनना एक गोपनीय जानकारी बनी हुई है।
- **बंद करने का कारण:**
    - यह पर्यावरण और आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।
    - **मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों की हानि** और लोगों की भलाई में सुधार हेतु उनका उपयोग कर सकते हैं।
    - **केंद्रीय काराकुम के उप-समृद्धि के त्वरित औद्योगिक विकास में बाधा उत्पन्न** करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gateway-of-hell-turkmenistan